Teachingninja.in

Latest Govt Job updates

Private Job updates

Free Mock tests available

Visit - teachingninja.in

UPPSC
APS
Previous Year Paper
(General Hindi) Paper-II
11 Oct, 2015

Teachingninja.in

No. of Printed Pages : 4

UPPSC STENO ACT, PRVT SEC 11/1/2015 LKO

2013

QCA/BC : BSEWP-52

सामान्य हिन्दी

General Hindi

प्रश्न पत्र – द्वितीय

निर्धारित समय : तीन घंटे] [अधिकतम अंक : 100

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

STENO GURU

1. आखिर ऐसा क्यों होता है कि साम्प्रदायिक ताकतें साहित्य, कला और संस्कृति के लोगों को अपना निशाना बनाती हैं ? यह प्रश्न दिलचस्प है कि कलाकारों की, लेखकों की कौन सी शक्ति है, जिससे ये घबराते हैं ? एक वजह तो यह समझ में आती है कि साम्प्रदायिक शक्तियाँ अपने साम्प्रदायिक उद्देश्य को भावना में रूपांतरित करके लोगों तक पहुँचाती हैं । कलाकार भी अपने विचारों, अपनी अवधारणाओं को भावना में रूपान्तरित करके लोगों में शामिल होते हैं लेकिन अपेक्षाकृत बहुत ज्यादा सांद्र, सघन, असरकारी और दीर्घजीवी तरीके से । यह अलग बात है कि साम्प्रदायिकता मनुष्य को संवेदनहीन, कट्टर और अमानवीय बनाती है, जबकि कला और साहित्य इसका प्रतिलोम रचते हैं । वे हमें अधिक संवेदनशील, उदार और अधिक मनुष्य बनाते हैं । इसलिए साम्प्रदायिक ताक़तें संस्कृतिकर्मियों से खार खाती हैं । वर्ना साम्प्रदायिकता को मानव जाति का वीभत्स कलंक मानकर उसका विरोध अनेक राजनीतिज्ञ भी करते हैं, लेकिन उनसे दंगाइयों की रक्तरंजित शत्रुता नहीं है । अपवाद स्वरूप गाँधी का नाम लिया जा सकता है, लेकिन गाँधी तो ऐसी शख्सियत थे, जो इस देश की जनता के हृदय में महान कविता अथवा अद्भुत कलात्मक धुन बनकर उतरे थे । इसीलिए उनकी मूर्तियों, उनकी स्मृति तक का वे अपमान करते हैं । साम्प्रदायिक ताकतों और संस्कृतिकर्मियों के बीच तनाव का एक कारण यह भी है कि साहित्य, कला के संसार में हर यथार्थ में एक स्वप्न समाहित रहता है, जबकि उनके हर यथार्थ में एक दुःस्वप्न । यहाँ शांति, ऐक्य, प्रेम है, वहाँ अशान्ति, भेद और घृणा । फिर सबसे बुरी बात साहित्य, कला की दुनिया में उनकी दाल नहीं गल रही है । कुछ अपवादों और अवसरवादों को छोड़ दिया जाय तो साहित्य, कला से जुड़े लोगों की जमात हर वक्त साम्प्रदायिकता के विरुद्ध रहती है । 4 × 5 = 20

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Teachingninja.in

(i) इस गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है ?

(ii) साम्प्रदायिक ताकतों का साहित्य और कला से विरोध क्यों है ?

(iii) मनुष्य पर प्रभाव डालने की दृष्टि से साहित्य और कला तथा साम्प्रदायिकता में क्या अन्तर है ?

(iv) साम्प्रदायिक ताकतों द्वारा सामान्यतः राजनीतिज्ञों से रक्तरंजित शत्रुता न रखने के बावजूद उनके द्वारा गाँधी को निशाना क्यों बनाया गया ?

(v) साहित्य और कला तथा साम्प्रदायिक शक्तियों के यथार्थ में क्या पार्थक्य है ?

2. नीचे दिये हुए अवतरण का संक्षेपण कीजिए : 10

सुन्दर और कुरूप – काव्य में बस ये ही दो पक्ष हैं । भला-बुरा, शुभ-अशुभ, पाप-पुण्य, मंगल-अमंगल, उपयोगी-अनुपयोगी – ये सब शब्द काव्यक्षेत्र के बाहर के हैं । ये नीति, धर्म, व्यवहार, अर्थशास्त्र आदि के शब्द हैं । शुद्ध काव्य क्षेत्र में न कोई बात भली कही जाती है न बुरी, न शुभ, न अशुभ, न उपयोगी न अनुपयोगी । सब बातें केवल दो रूपों में दिखाई जाती हैं – सुन्दर और असुन्दर । जिसे धार्मिक शुभ या मंगल कहता है, कवि उसके सौंदर्य पक्ष पर आप ही मुग्ध रहता है और दूसरों को भी मुग्ध करता है । जिसे धर्मज्ञ अपनी दृष्टि के अनुसार शुभ या मंगल समझता है, उसी को कवि अपनी दृष्टि के अनुसार सुन्दर कहता है । दृष्टिभेद अवश्य है । धार्मिक की दृष्टि जीव के कल्याण, परलोक में सुख, भव बन्धन से मोक्ष आदि की ओर रहती है, पर कवि की दृष्टि इन सब बातों की ओर नहीं रहती । वह उधर देखता है, जिधर सौंदर्य दिखाई पड़ता है । इतनी-सी बात ध्यान में रखने से ऐसे-ऐसे झमेलों में पड़ने की आवश्यकता बहुत कुछ दूर हो जाती है कि "कला में सत् असत्, धर्माधर्म का विचार होना चाहिए या नहीं", "कवि को उपदेशक बनना चाहिए या नहीं ।"

3. परिपत्र और अधिसूचना का अन्तर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । पत्र में अपने नाम अथवा अनुक्रमांक का उल्लेख न करें । 10

4. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों में से किन्हीं **पाँच** के अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए : 10

(i) आठ-आठ आँसू रोना ।

(ii) आँख का काजल चुराना ।

(iii) एक ही लाठी से हाँकना ।

(iv) खटाई में पड़ना ।

(v) अंधा पीसे कुत्ता खाये ।

(vi) कभी नाव पर गाड़ी, कभी गाड़ी पर नाव ।

(vii) घी का लड्डू टेढ़ा भला ।

(viii) चोरी का माल मोरी में ।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Teachingninja.in
Teachingninja.in
STENO GURUJI

5. निम्नलिखित वाक्यांशों में से किन्हीं **पाँच** के लिए एक-एक शब्द लिखिए : **10**

(i) जिसकी आशा न हो ।

(ii) जिसका वर्णन वचनों के द्वारा न किया जा सके ।

(iii) अतिथि की सेवा ।

(iv) सताने या अत्याचार करने वाला ।

(v) जहाँ दूसरा कोई न हो ।

(vi) अपने कर्त्तव्य का निश्चय न कर सकने वाला ।

(vii) अंगूर से बना आसव ।

(viii) बराबरी करने की या आगे बढ़ने की होड़ ।

6. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** को शुद्ध कीजिए : **10**

(i) शेक्सपियर के कई नाटक हरिवंशराय 'बच्चन' द्वारा अनुवादित हैं ।

(ii) कानून का नियम है कि भले ही दस अपराधी छूट जाएं, परंतु एक भी निरपराधी को दण्ड न मिले ।

(iii) महान् व्यक्तियों की सौजन्यता विस्मय विमुग्ध कर देती है ।

(iv) विगत दिनों भारत के प्रधानमंत्री ने मारिशस के फीनिक्स शहर में विश्व हिन्दी सचिवालय का शिलान्यास रखा ।

(v) इतिहास में कितने ही निर्दयी शासकों का उल्लेख मिलता है ।

(vi) यह सुन्दर मूर्ति किस मूर्तिकार ने अंकित की है ?

(vii) किसी ने पूरे कुएँ में भांग घोल दिया है ।

(viii) प्यास से मेरा होंठ सूख रहा है ।

7. नीचे दिये शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के विलोम शब्द लिखिए : **5**

(i) सहयोगी

(ii) संकल्प

(iii) शुल्क

(iv) सदय

(v) मितव्ययी

(vi) कलुषित

(vii) गणतंत्र

(viii) कुलदीप

Teachingninja.in
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Teachingninja.in

8. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 500 शब्दों में निबन्ध लिखिए । कहीं भी अपने नाम या अनुक्रमांक का उल्लेख न करें । 25

(i) हिन्दी के विकास के अवरोधक तत्त्व ।

(ii) उत्तरोत्तर बढ़ती नारी हिंसा – कारण तथा निदान ।

(iii) भौतिकता की दौड़ में पीछे छूट रही मानवता – एक विश्लेषण ।

(iv) धर्म की राजनीति और राष्ट्रीय एकता ।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Teachingninja.in